खजूर की खेती

वसुन्धरा राजे
मुख्यमंत्री, राजस्थान

किसान की उन्नति से ही हमारे पूरे प्रदेश की प्रगति संभव है। हमने किसान भाइयों के लिए राज्य में कई महत्त्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं। आप सभी उनका फायदा उठायें व परम्परागत खेती के साथ ही खेती के नये तरीकों व तकनीकों को अपनाएं।
हरित क्रांति, पीत क्रांति, श्वेत क्रांति व नीली क्रांति अब तक हो चुकी हैं, अब हमारा सपना राज्य में सदाबहार क्रांति (Evergreen Revolution) लाने का हैं। इसके लिए हमारी सरकार हर कदम पर किसानों के साथ है।

प्रभुलाल सैनी
कृषि मंत्री, राजस्थान

राज्य के विकास में हमारा मेहनतकश किसान एक अहम कड़ी है। राजस्थान सरकार किसानों के प्रति समर्पित है। हम चाहते हैं कि हमारे किसान भाई कम पानी, कम लागत, अधिक उत्पादन, उच्च तकनीक, संरक्षित खेती, अधिक मूल्य वाली फसलें उगाना आदि नवाचारों को अपनाएं ताकि उनकी आय बढ़े। इस प्रकाशन में हम आपको खेती के इन्हीं तरीकों व तकनीकों की जानकारी दे रहे हैं। इन्हें आप सभी अपनाएं और आगे बढ़ें।

खजूर की खेती का विकास – एक अभिनव प्रयास

राजस्थान में खजूर की खेती की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा खजूर की खेती का विकास किया जा रहा है। राज्य में यह खेती सफलतापूर्वक प्रारम्भ हो गई है एवं अब कृषक भी खजूर की खेती के लिए आगे आ रहे हैं।

प्रदर्शन फार्मस का विकास

राजकीय फार्म सगरा–भोजका जैसलमेर एवं खारा बीकानेर में कुल 130 हैक्टेयर क्षेत्र में टि्श्यू कल्चर तकनीक से तैयार पौध रोपण कर प्रदर्शन फार्मस विकसित किये गये हैं। इन फार्मस पर मेडजूल, बरही, खदरावी, खुनेजी, खलास, जामली, सगाई व नर किस्मों घनामी व अलइन सिटी का पौध रोपण किया गया है।

कृषकों के खेतों पर खजूर की खेती

कृषकों के खेतों पर खजूर पौध रोपण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में उत्तरी पश्चिमी राजस्थान के 12 ज़िलें जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, बीकानेर, चुरू, नागौर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, पाली, सिरोही, झुन्झुनू व जालौर चयनित हैं। अब तक इन ज़िलों में कृषकों के खेतों पर 820 हैक्टेयर क्षेत्र में खजूर पौध रोपण करवाया जा चुका है। उक्त कार्यक्रम में कृषकों को अनुदान दिया जा रहा है:

- उद्यान विभाग द्वारा टिश्यू कल्चर तकनीक से उत्पादित सैकेण्डरी हार्डन्ड पौध रोपण सामग्री पर 75 प्रतिशत जो कि अधिकतम राशि रु.1,950 प्रति पौधा होगी का अनुदान (जो भी कम हो) चयनित कृषकों को उपलब्ध कराने का प्रावधान है। कृषकों को रु.3,12,450 प्रति हैक्टेयर तक अनुदान दिया जा रहा है जिसमें पौध व आदान दोनों सम्मिलित हैं।
- प्रत्येक कृषक न्यूनतम 0.5 हैक्टेयर क्षेत्र व अधिकतम 4.0 हैक्टेयर क्षेत्र तक के लिए अनुदानित दर पर पौध रोपण सामग्री प्राप्त करने के लिए पात्र होगा। इसके लिए 156 पौधे प्रति हैक्टेयर की दर से उपलब्ध कराये जायेंगे, जिसमें 5 प्रतिशत नर किस्म के पौधे सम्मिलित होंगे।

टिश्यू कल्चर प्रयोगशाला

टिश्यू कल्चर तकनीक से राज्य में ही खजूर के पौधे तैयार करने हेतु चौपासनी जोधपुर पर टिश्यू कल्चर प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। प्रयोगशाला में पौध उत्पादन कार्य 1.4.2012 से प्रारम्भ हो चुका है।

ग्लोबल
राजस्थान
एग्रीटेक मीट
9-11 नवम्बर 2016
जयपुर

उन्नत किसान
ख़ुशहाल राजस्थान

उद्यान निदेशालय, राजस्थान
पंत कृषि भवन, जनपथ, सी–स्कीम, जयपुर 302 005
T: +91 141 2385806 | W: agriculture.rajasthan.gov.in
E: hortiraj_rj@gov.in

अधिक जानकारी के लिए किसान कॉल सेन्टर **1800 180 1551**
पर बात करें या अपने पास के कृषि पर्यवेक्षक या अपने ज़िले के
उप निदेशक कृषि या सहायक निदेशक उद्यान विभाग के कार्यालय में सम्पर्क करें